



WEST BENGAL STATE UNIVERSITY
B.A. Honours 5th Semester Examination, 2022-23

BNGADSE01T-BENGALI (DSE1/2)

मध्ययुगेर साहित्य पाठ



Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 50

प्राञ्चिक सीमार मथ्यस्य संख्याटि प्रश्नेर मान निर्देश करे।
परीक्षार्थीदेर निजेर भाषाय यथासम्भव शब्दसीमार मध्ये उत्तर दिते हवे।

विभाग-क

- १। प्रतिटि एकक थेके एकटि करे प्रश्न निये मोट चारटि प्रश्नेर उत्तर दाओः १०×४ = ४०
(प्रतिटि उत्तरेर शब्दसंख्या अनधिक ३०० हवे)

एकक - १

- (क) 'कृतिवास अनूदित रामायण काव्येर काहिनि ग्रन्थन ओ चरित्रचित्रणे बाङ्गालिआर आङ्गलिक सन्तार प्रभाव पड़ेछे' — तोमार पाठ्य अवलम्बने विषयटि परिस्फुट करो। १०

अथवा

- (ख) रामायण काव्येर लङ्काकाण्डे वीररस ओ भक्तिरसेर ये मिश्रण कृतिवास देखियेछेन, ता आलोचना करो। १०

एकक - २

- (ग) विप्रदास पिपलाई-एर मनसामञ्जल काव्य अवलम्बने, उक्त समयेर समाज भावना वा सामाजिक अनुषङ्ग कीभावे तार काव्येर विषय हये उठेछे, तोमादेर पाठ्य अवलम्बने ता आलोचना करो। १०

अथवा

- (घ) बेङ्गला चरित्र विप्रदासेर कवि-भावनार अपूर्व परिचय बहन करेछे — आलोचना करो। १०

एकक - ३

- (ङ) 'मुकुन्द चक्रवर्ती एवं द्विजमाधव एकइ काहिनि अवलम्बने तारुंदेर काव्यरचना करलेओ द्विजमाधवेर काहिनि ग्रन्थने विशेष किछु दुर्बलता लक्ष्य करी यय' — तोमार पाठ्य अंश अवलम्बने एइ मञ्जुव्येर प्रेम्फिते तोमार मतमत व्यक्त करो। १०

अथवा

- (च) तारुंदु दंत चरित्रटि सृजने द्विजमाधवेर कृतिरूप निरूपण करो। १०

একক - ৪

(ছ) ভারতচন্দ্রের অনন্যদামঙ্গল কাব্য রাজকণ্ঠের মণিমালার মতো — তোমাদের পাঠ্যাংশ অবলম্বনে আলোচনা করো। ১০

অথবা

(জ) অনন্যদামঙ্গল কাব্যের ঈশ্বরী পাটনী চরিত্রটি বিশ্লেষণ করে চরিত্রটির সাহিত্যিক গুরুত্ব সম্পর্কে তোমার মতামত ব্যক্ত করো। ১০

বিভাগ-খ

২। নিম্নলিখিত যে-কোনো দুটি প্রশ্নের সংক্ষিপ্ত উত্তর দাওঃ (প্রতিটি অনধিক ১৫০ শব্দে) ৫×২=১০

(ক) “আনিতে ঔষধ যদি পার রাতারাতি। ১+৩+১
চারিযুগে থাকিবেক তোমার সুখ্যাতি॥”

— এখানে কার কথা বলা হয়েছে? কোন্ ঔষধ আনবার কথা বলা হয়েছে, তার পরিচয় দাও। এখানে চারিযুগ বলতে কী বোঝানো হয়েছে?

(খ) “আজি হৈতে ইন্দ্র তোর ছাড়ুক কমলা। ৫
অক্ষয় সূত্র আর ছিঁড়ে জাপ্য মালা॥”

— উদ্ধৃতাংশের প্রসঙ্গ নির্দেশ করো।

(গ) “মন্ত্রণা করিয়া তবে যথ পশুগণ ৫
কংস নদীর তটে গিয়া দিল দরশন।”

— মন্তব্যটির প্রসঙ্গ বিশ্লেষণ করো।

(ঘ) “হরি হর বিধি তিন আমার শরীর। ৫
অভেদে যে জন ভজে সেই ভক্তবীর॥”

— প্রসঙ্গ পূর্বক তাৎপর্য নির্ণয় করো।

—x—

